6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7+7)

(क) गीति तत्व

(ख) 'हमारी सभ्यता' में निहित संदेश

(ग) 'समय की शिला' की भाषा

(घ) 'ओ गंगा बहती हो क्यों' का उद्देश्य

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5616 **L**

Unique Paper Code : 2054000022

Name of the Paper : Hindi Geetikavya

Name of the Course : **GE : Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+8)

(क) ताहू पै महँगी काल रोग बिस्तारी।
दिन दिन दूने दुःख ईस देत हा हा री।
सबके ऊपर टिक्कस की आफत आई।
हा हा! भारत दुर्दशा न देखी जाई।।

अथवा

मेरे नगपति! मेरे विशाल!
साकार, दिव्य, गौरव विराट,
पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल!
मेरी जननी के हिम-किरीट!
मेरे भारत के दिव्य भाल!
मेरे नगपति! मेरे विशाल!

(ख) नाश भी हूं मैं अनंत विकास का क्रम भी
त्याग का दिन भी चरम आसक्ति का तम भी
तार भी आघात भी झंकार की गति भी
पात्र भी मधु भी मधुप भी मधुर विस्मृत भी हूं
अधर भी हूं और स्मित की चांदनी भी हूं।

अथवा

अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।।
सरल तामरस गर्भ विभा पर,
नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।।

2. हिंदी गीति काव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विकास परंपरा का उल्लेख कीजिए। (15)

अथवा

हिंदी गीति काव्य की शैलियों का वर्णन कीजिए।

3. 'हिमालय' में निहित संदेश को व्यक्त कीजिए। (15)

अथवा

'इस पार उस पार' मैं अभिव्यक्त जीवन दर्शन का स्पष्टीकरण कीजिए।

4. 'हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के' गीत के उद्देश्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (15)

अथवा

'उत्तर प्रियदर्शी' नाटक की शैली का उल्लेख कीजिए।

5. 'बीन भी मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं' में निहित संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'गीत गाने दो मुझे के' आधार पर गीति तत्वों का उल्लेख कीजिए।